दैनिक भास्कर 6/9/15

जस्टिस डीएन पटेल ने किया कोर्ट का मुआयना

धनबाद कोर्ट परिसर में जस्टिस पटेल को जानकारी देते न्यायाधीश अंबुजनाथ।

धनबाद| झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस डीएन पटेल ने शनिवार को धनबाद व्यवहार न्यायालय का निरीक्षण किया। उन्होंने ई-कोर्ट का मुआयना किया और वहां के काम-काज से संतुष्ट दिखें।

वहां से वे मध्यस्थता केंद्र पहुंचे। अधिवक्ताओं ने मध्यस्थता केंद्र को न्याय भवन बनाने की मांग की। जस्टिस ने इस प्रस्ताव पर विचार करने का भरोसा दिया। फिर सीजीएम कोर्ट भवन की जगह नई बनने वाली बिल्डिंग के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने प्रधान जिला जज अंबुज नाथ से न्यायिक काम-काज की बाबत जानकारी प्राप्त की। जस्टिस डीएन पटेल के साथ रांची से झालसा के सदस्य सचिव नवनीत कुमार भी साथ आए थे।

हिन्दुस्तान 6/9/15

स्वायत्तशासी संस्था के रूप में

हाईकोर्ट के जज ने देखा ई-कोर्ट

जस्टिस डीएन पटेल।

धनबाद। हाईकोर्ट के जस्टिस डीएन पटेल शनिवार को धनबाद व्यवहार न्यायालय पहुंचे। वे धनबाद में बने ई-कोर्ट देखने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वीडियो कांफ्रेंसिंग ट्रायल रूम का जायजा लिया। उनके साथ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंबुज नाथ के अलावा कई न्यायिक पदाधिकारी थे।

न्यायाधीश की मौजूदगी में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए धनबाद मंडल कारा से संपर्क कर ट्रायल भी किया गया। डीएन पटेल झारखंड में ई-कोर्ट प्रोजेक्ट हेड भी हैं। अंबुज नाथ के साथ उन्होंने न्यायिक प्रक्रिया के अन्य मसलों पर भी वार्ता की।

निरीक्षण. झारखंड उच्च न्यायालय के जस्टिस बोले

प्रभात खबर - 6/9/15

रांची इ-कोर्ट जैसा बनेगा धनबाद भी

■ धनबाद इ-कोर्ट की सराहना की

विधि संवाददाता, धनबाद

झारखंड उच्च न्यायालय के जस्टिस डीएन पटेल ने यहां सिविल कोर्ट में बने इ-कोर्ट की सराहना करते हुए कहा कि इसे रांची इ-कोर्ट जैसा बनाया जायेगा. वह शनिवार को इ-कोर्ट का निरीक्षण कर रहे थे . इस क्रम में उन्होंने कहा कि यदि इ-कोर्ट सिस्टम में कोई कठिनाई हो तो तुरंत उसकी जानकारी हमें दें. समस्या को अविलंब दूर किया जायेगा. कहा : मैं यहां की समस्याओं की जानकारी लेने आया हूं. उन्होंने सिस्टम ऑफिसर दीपक पांडा से सिस्टम के संबंध में पूछ ताछ की. प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश अंबुज नाथ ने भी कुछ समस्याओं से जस्टिस को अवगत कराया. जस्टिस पटेल ने निरीक्षण के दौरान इ-कोर्ट में पूर्व में किये गये दो ट्रायलों का अवलोकन किया. श्री पटेल के साथ झालसा रांची के सचिव नवनीत कुमार भी थे.

धनबाद सिविल कोर्ट में बने इ-कोर्ट में जस्टिस डीएन पटेल.

मौके पर एडीजे एके राय, सीजेएम संजय कुमार सिंह, निबंधक विनोद कुमार, डालसा सचिव धनंजय कुमार आदि थे. जस्टिस पटेल का स्वागत करने वालों में न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्ता सहदेव महतो, सुबोध कुमार, अमित सिंह, सपन मुखर्जी, मानसी मुखर्जी, सोनम भाई बोरा, नाजिर विजय कुमार तिवारी के अलावा काफी संख्या में कर्मचारी शामिल हैं.

निर्णय : भवन को पूर्व से खतरनाक घोषित कर चुके हैं इंजीनियर

दैनिक जागरण – 6/09/2015

सीजेएम कोर्ट के नए भवन पर मुहर

जागरण संवाददाता, धनबाद : ईंट की इमारत, पलस्तर तक नहीं, रंग लाल और अपराधियों के लिए खौफ का मकाम। करीब सौ सालों से धनबाद कोर्ट के रूप में पहचान बना यह भवन, जिसे आज हम सीजेएम कोर्ट के नाम से जानते हैं, बहुत जल्द ही मिटने वाला है। कारण ये है कि अंग्रेजों द्वारा बना इस भवन को इंजीनियर खतरनाक घोषित कर चुके हैं और हाईकोर्ट के वरीय न्यायाधीश डीएन पटेल ने इस भवन को तोड़ कर नए भवन बनवाने पर शनिवार को मुहर लगा दी है। इस बाबत उन्होंने प्रधान जिला न्यायाधीश अंबुजनाथ को कई निर्देश भी दिए हैं।

न्यायाधीश डीएन पटेल व झालसा के जेनरल सेक्रेटरी नवनीत कुमार ने धनबाद ई कोर्ट के निरीक्षण के बाद मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी परिसर, सिविल कोर्ट और एपीपी भवन आदि का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने प्रधान जिला न्यायाधीश से चर्चा करते हुए कहा कि एपीपी भवन, सिविल कोर्ट और सीजेएम के लिए भवन को ऐसा बनाया जाए कि तीनों एक से जुड़े हों। उन्होंने एल टाइप से बनाने की बात कही। सीजेएम की पूरी बिल्डिंग को ही तोड़ने और नई इमारत बनाने की बात कही।

1873 में सीजेएम कोर्ट का वजूद आया : धनबाद तब (मानभूम) समेत आसपास के कई जिलों की न्यायिक व्यवस्था मेदिनीपुर से संचालित होती थी। निरसा के दामोदर चौबे उस दौर के वकील थे और संभवतः धनबाद के पहले अधिवक्ता थे। उनकी पीढ़ी आज भी वकालत के पेशे से जुड़ी है। इसके बाद यह व्यवस्था गोविंदपुर आई। 1908 तक गोविंदपुर में कोर्ट कचहरी का काम चला। तब धनबाद में कुल बारह अधिवक्ता थे और इनके लिए ही पीडब्ल्यूडी के गेस्ट हाउस को बतौर बार एसोसिएशन के कार्यालय के तौर पर दिया गया। धनबाद में 1916 में कोर्ट अस्तित्व में आया। आज का सीजेएम कैंपस पूर्व में सिविल जज का भवन था। वर्ष 1973 में इस भवन को बतौर सीजेएम भवन पहचान मिली। अब तक यही भवन धनबाद के कोर्ट की सबसे बड़ी पहचान रही है।

झोली में हैं सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस भी : धनबाद की झोली में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस तक हैं। यहां बतौर अधिवक्ता प्रेक्टिस करने वाले एसबी सिन्हा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बने। उनके अलावा रमेश मराठिया रांची हाईकोर्ट और सदानंद कुमार पटना हाइकोर्ट के जस्टिस बने हैं। पूरे देश में माइनिंग लॉ के विशेषज्ञ की पहचान रखने वाले सुबीर चंद्र मुखर्जी का ताल्लुक भी धनबाद कोर्ट से ही रहा है। देश के जाने-माने अधिवक्ताओं में अशोक सेन, सिद्धार्थ शंकर राय, शंकर दास, कामेश्वर कुमार जैसे दिग्गज मुकदमे के सिलसिले से यहां आ चुके हैं।

सीजीएम कोर्ट भवन।

वकीलों के लिए बनेगा हॉल

निरीक्षण के क्रम में हाईकोर्ट के न्यायाधीश के साथ मौजूद रहे प्रधान न्यायाधीश अंबुजनाथ ने उन्हें बताया कि सीजेएम कैंपस के चारों तरफ काफी वकील बैठते हैं। भवन में उनके लिए भी स्थान होना चाहिए। इस बात पर न्यायाधीश पटेल ने सहमति जताते हुए कहा कि वकीलों के लिए एक हॉल बनेगा। जहां वे बैठेंगे।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने देखी खदान की दुनिया

जामाडोबा, झरिया : रांची हाईकोर्ट के जस्टिस डीएन पटेल ने शनिवार को टाटा स्टील की जामाडोबा छह सात पिट खदान को देखा। उन्होंने खदान में कोयला निकासी कर रहे श्रमिकों की हाड़तोड़ मशक्कत देखी इससे पहले टाटा स्टील अधिकारी पिनाकी साहा ने प्रोजेक्टर के माध्यम से जज पटेल को खदान के बारे में गहन जानकारी दी। खदान में सुरक्षा के किन प्रावधानों का पालन करना है यह बताया। खदान में कोयला उत्पादन कैसे होता है यह भी जानकारी दी। इसके बाद श्री पटेल खदान में गये। वहां उन्होंने आधुनिक तकनीक व मजदूरों की मेहनत का समन्वय देखा। जमीन के नीचे एक अलग प्रकार की दुनिया का श्री पटेल का शानदार अनुभव रहा। मजदूरों की मेहनत को उन्होंने सराहा। उनके साथ नवनीत कुमार, केपी पांड्या, एन पांडया, विनोद कुमार, अरुण कुमार आदि थे।

सीजेएम भवन में वकीलों के बैठने के लिए हॉल के लिए साधुवाद। यहां के टाइपिस्ट और वेंडरों के लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए। भवन काफी जर्जर हो चुका था, नए भवन का निर्माण जरूरी है।

कंसारी मंडल, अध्यक्ष, धनबाद बार एसोसिएशन

हाईकोर्ट जज ने किया ई-कोर्ट का निरीक्षण

ई कोर्ट का निरीक्षण करते न्यायाधीश डीएन पटेल।

जासं, धनबाद : हाइकोर्ट के वरीय न्यायाधीश डीएन पटेल एवं न्यायाधीश सह झालसा जेनरल सेक्रेटरी नवनीत कुमार ने शनिवार को धनबाद ई-कोर्ट का जायजा लिया। सिस्टम अफसर से उन्होंने ई-कोर्ट की सुविधाओं तथा चल रहे मुकदमों की जानकारी ली। जिला जज एके राय दो और न्यायाधीश सत्य प्रकाश एक मामले की सुनवाई कर चुके हैं। हाइकोर्ट जज ने वीडियो क्वालिटी, एसी सिस्टम, लाइट समेत अन्य चीजों का बारीकी से मुआयना किया। जहां कमी दिखी वहां सुविधाएं बहाल करने का निर्देश दिया। ई-कोर्ट की व्यवस्था से वह संतुष्ट नजर आ रहे थे। प्रधान जिला जज अंबुज नाथ ने दोनों की आवभगत की। उनके साथ जिला जज एके राय, सीजेएम संजय सिंह रजिस्ट्रार विनोद कुमार आदि भी थे। धनबाद में दो ई-कोर्ट संचालित हो रहे हैं।